तेज बारिश से टूटी सड़कों और जलभराव वाले क्षेत्रों में पहुंचा नगर निगम प्रशासन

ग्रेटर और हैरिटेज निगम की टीमों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए राहत कार्य शुरू किए

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में बुधवार को मूसलाधार बारिश से सड़कों में हुए खड्ढ़ों और टूटी दीवारों को सुधारने और जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत देने का काम शुरू हो गया है। ग्रेटर और हैरिटेज नगर निगम की टीमें गुरूवार सुबह फील्ड में उतरी और राहत कार्य शुरू किए। ग्रेटर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड ने मालवीय नगर पहुंचकर डब्ल्यूटीपी नाले से निरीक्षण शुरू किया। उन्होंने जवाहर सर्किल से लेकर जगतपुरा जोन तक नालों की स्थिति देखी। साथ ही मालवीय नगर बाढ नियत्रंण कक्ष का भी निरीक्षण कर मिट्टी के कट्टों व मडपंप की व्यवस्था मजबूत रखने को कहा। इसके बाद आयुक्त वीकेआई बाढ़ नियत्रंण कक्ष पहुंची। सीकर रोड सहित चौमूं पुलिया, कालवाड़ रोड, सिरसी रोड, खातीपुरा पुलिया के जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण किया।

आयुक्त रियाड़ ने बताया कि मानसरोवर, विश्वकर्मा और मालवीय नगर बाढ़ नियत्रंण कक्ष पर सहायक अभियन्ताओं, कनिष्ठ अभियन्ताओं की ड्यूटी लगा दी गई है और उन्हें अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिये। यह अधिकारी कर्मचारी तीन पारियों में कार्य करेंगे जिसमें प्रथम पारी सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, द्वितीय पारी दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक तथा तृतीय पारी रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक रहेगी।

■ **रायसर प्लाजा और विवेक विहार पर धंसी सड़क को तुरंत ठीक करवाया**

इसी तरह हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर और आयुक्त अभिषेक सुराणा ने भी जलभराव वाले क्षेत्रों का मौका मुआयना किया। जोन उपायुक्त, अधिशाषी अभियंता और अन्य निगम अधिकारी दिनभर निगम क्षेत्र में जाकर निरीक्षण करते रहे। इस दौरान कुछ जगहों पर जलभराव की समस्या भी आई, तो कुछ जगहों पर सड़क धंसने की शिकायत भी मिली। ऐसे में मौके पर तैनात निगम अधिकारियों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर समाधान भी कराया। बारिश के दौरान परकोटे के रायसर प्लाजा के पास सड़क का छोटा सा हिस्सा धंस गया। जिसे किशनपोल जोन एक्सईएन योगेश कुमावत ने तुरंत ठीक करा दिया। न्यू सांगानेर रोड पर विवेक विहार के पास 5 फीट लम्बी सड़क धंस गई। सूचना मिलने पर एक्सईएन कमलेश जैमन ने मिट्टी के कट्टे रखवा कटाव रूकवाया।

वहीं, वार्ड 19 में बंधा बस्ती नाले का कुछ हिस्सा धंस गया। इस पर हवामहल जोन उपायुक्त करतार सिंह ने मौके का निरीक्षण कर मिट्टी के कट्टे रखवाए और नाले के पास स्थित बिजली ट्रांसफर को दूर रखवाया।

इसके अलावा नागतलाई नाले में भी कुछ जगहों पर दीवार टूटने पर गैराज शाखा की ओर से मरम्मत करवाया गया। आगरा रोड पर घाट की गुणी टनल के पास सामुदायिक भवन के सहारे बने मकान की दीवार सड़क पर गिर गई। दीवार गिरने की सूचना पर हेरिटेज निगम की सतर्कता शाखा टीम पहुंची और मलबे को हटवाया। एक्सईएन सुबोध कुमार ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। बाढ़ एवं आपदा नियंत्रण कक्ष प्रभारी एक्सईएन सुबोध कुमार ने बताया कि बुधवार रात और गुरुवार को दिनभर हुई बारिश में सबसे ज्यादा शिकायतें मिट्टी के कटाव की आई। पिछले 24 घंटे में तीनों नियंत्रण कक्ष में कुल 70 शिकायतें दर्ज की गई, वहीं जलभराव की पांच शिकायतें आई। इस दौरान एक दिन में कुल 5440 मिट्टी के कट्टे राहत के लिए भेजे गए।

ग्रेटर नगर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने गुरूवार सुबह अधिकारियों के साथ नाला सफाई का जायजा लिया।

हैरिटेज निगम की टीम ने रायसर प्लाजा के पास धंसी सड़क को दुरुस्त किया।

न्यू सांगानेर रोड पर बारिश से धंसी सड़क में मिट्टी के कट्टे भरवाकर हैरिटेज निगम की टीम ने मिट्टी का कटाव रोका, अब यहां सड़क दुरुस्त करने का कार्य किया जायेगा।

प्रिटिंग का सिंगल टैंडर मंजूर करने पर क्यों उतारू है जे.डी.ए. की लेखा शाखा?

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) में प्रिटिंग कार्य का सिंगल टैंडर आने पर उसे मंजूर करने का विरोध शुरू हो गया है। कई फर्मों ने इस मामले की शिकायत जे.डी.ए. आयुक्त मंजू राजपाल को करते हुए टैंडर निरस्त कराने और इस प्रकरण की जांच करवाने की मांग उठाई है।

सूत्रों की मानें तो गत दिनों जेडीए में प्रिटिंग के कार्य का टेंडर जारी किया गया था। यह काम एक करोड़ रुपए से अधिक का था। इसके लिए ऑनलाइन टैंडर जारी किया गया था, लेकिन निविदा जारी होने के बाद पता लगा कि सिर्फ एक ही बीड प्राप्त हुई है। नियमानुसार इस बिड को निरस्त किया जाना था लेकिन जे.डी.ए. की लेखा विभाग इस बिड को मंजूर करने में लगी हुई है। इसकी शिकायत भी अन्य फर्मों ने जेडीसी मंजू राजपाल और जेडीए सचिव को दी है। इसमें बताया है कि टेंडर जारी करते समय तकनीकी खामियां छोड़ दी गई थी, जिसकी वजह से अन्य फर्म भाग नहीं ले सकी। इसका लाभ एक मात्र फर्म ने ले लिया। टैंडर में मात्र एक फर्म आने के कारण कायदे के अनुसार इसे निरस्त किया जाना चाहिए, इसके विपरीत जेडीए के लेखा विभाग के अकाउंटेट इस सिंगल फर्म का टेंडर मंजूर करे पर आमादा है। जेडीए प्रिंटिंग के काम में प्रचार प्रसार से संबंधित कार्यों के लिए होर्डिंग, स्टेशनरी पर जेडीए का लोगो डिजाइन का काम होता है। सूत्रों की मानें तो जेडीए की प्रिंटिंग शाखा के अधिकारियों ने पहले भी इस टेंडर को मंजूर कराने के लिए जल्दबाजी की थी। उन्होंने बिना समाचार पत्रों में विज्ञिप्त का प्रकाशन कराए बगैर ही लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के दौरान इसे आनलाइन डाल दिया था। बाद में जेडीसी और सचिव को शिकायत हुई तो इसे निरस्त कर दुबारा निविदा जारी करनी पड़ी।

■ **कई फर्मों ने जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल को ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग उठाई**

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जेडीए की प्रिटिंग का ठेका एक चहेती फर्म को दिया जाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए ही नियमों के विपरीत जाकर निविदा मंजूर कराने की कोशिश की जा रही है। शिकायत में जेडीसी से अनुरोध किया गया है कि इस टैंडर को निरस्त किया जाए, जिससे अन्य फर्मों को भी शामिल होने का मौका मिल सके।

जयपुर में मांस की अवैध दुकानें बंद करने की मांग

जयपुर (विसं)। राजधानी जयपुर में बिना लाइसेंस एवं अवैध रुप से चल रही मांस की दुकानों को बंद करने एवं लाइसेंसशुदा ऐसी दुकानों को नियमों के तहत सुचारु रुप से चलाने का मुद्दा विधानसभा में गूंजा। शून्यकाल में नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव के तहत हवमाहल विधायक बालमुकुन्द आचार्य ने चारदीवारी क्षेत्र में बिना लाइसेंस की एवं खुले में मांस बिक्री का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बिना नियमों की पालना के लंबे समय से खुलेआम मांस की बिक्री हो रही है। बहुत कम दुकानदारों के पास ही लाइसेंस है लेकिन वहां कई दुकानदार खुले में मांस का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने मांग रखी कि बिना लाइसेंस की ऐसी दुकानों को बंद किया जाये और जिनके पास लाइसेंस है उन्हें नियमों के तहत सुचारु रुप से संचालित किया जाना चाहिए ताकि किसी को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि कोताही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जानी चाहिए।

सार-समाचार

पार्षद कुसुम यादव ने ज्ञापन सौंपा

जयपुर । हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय में पार्षद कुसुम यादव ने गंदी गलियों की साफ सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। पार्षद कुसुम यादव ने बताया कि हेरिटेज नगर निगम में लगभग 5500 गंदी गलियां है, जिनकी साफ सफाई बरसात आने से पहले हो जानी चाहिए थी लेकिन आज तक इन गंदी गलियों की सफाई नही हो पाई है। आज यह गलियां कचरे से भरी हुई है, जिसके कारण उनमें तरह तरह के कीड़े व मच्छर हो गए है। आस पास के घरों में गंदी बदबू व गंदा पानी जा रहा है, जिसके कारण आम जनता को बड़ी परेशानी हो रही है। गंदगी के कारण चारदीवारी क्षेत्र में मौसमी बीमारियां होने की भी संभावना है। साथ ही मोती सिंह भोमिया के रास्ते की टूटी सड़क का नए सिरे से अति शीघ्र निर्माण करने के लिए एवं वार्ड के विभिन्न विकास कार्यों व सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किए जाने के लिए चर्चा की। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए व आश्वासन दिया कि उक्त समस्त कार्य अतिशीघ्र करवा दिए जायेंगे इस दौरान नरेश विजयवर्गीय विष्णु मीणा एडवोकेट पियूष अग्रवाल अक्षय यादव सुशील शर्मा आजम खान साथ रहे।

डॉ.अनुभा जैन को रवीन्द्र रत्न पुरस्कार

जयपुर, (का.सं.)। अनुभवी वरिष्ठ पत्रकार लेखक डॉ.अनुभा जैन को पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में उनके अविश्वसनीय कार्यों के लिए कर्नाटक के प्रसिद्ध एनजीओ वेयिल फाउंडेशन द्वारा 2 जुलाई को रवीन्द्र रत्न पुरस्कार 2024 से बेंगलुरु में सम्मानित किया गया है। वेयिल फाउंडेशन संयुक्त राष्ट्र द्वारा उल्लिखित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। पत्रकारिता, समाचार संपादन और जनसंचार में 12 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाली डॉ. अनुभा जाने माने वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय धीरेन्द्र जैन की सुपुत्री है। डॉ. अनुभा ने अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण घटनाओं और हाई-प्रोफाइल स्टोरीज को कवर किया है। उन्होंने हाल ही में अपनी पीएचडी रोल ऑफ वुमन इन दी पॉलिटिकल लेंडस्केप ऑफ राजस्थान-विथ स्पेशल रेफरेंस टू द रोल ऑफ मीडिया विषय पर पूर्ण की है।

प्रदर्शनकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई रोकी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में स्वास्थ्य भवन के बाहर नर्सिंग भर्ती को लेकर प्रदर्शन करने वाली याचिकाकर्ता महिलाओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने निचली अदालत को कहा है कि वह प्रकरण में अंतिम आदेश पारित ना करे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश संतरा धाकड और रजनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में कहा गया कि प्रकरण की एफआईआर के अनुसार रैली में सौ से अधिक लोग मौजूद थे। इसके बावजूद भी पुलिस ने सिर्फ छह लोगों के खिलाफ ही आरोप पत्र पेश किया। इसके अलावा प्रकरण में एक भी स्वतंत्र गवाह नहीं है। पुलिस ने जानबूझकर याचिकाकर्ताओं को प्रकरण में फंसाया है। ऐसे में आरोप पत्र को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगाई है। मामले के अनुसार 10 नवंबर, 2022 को एसआई कविता यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई की स्वास्थ्य भवन के बाहर संविदा नर्सेज एसोसिएशन के नेतृत्व में याचिकाकर्ता सहित करीब सौ लडके-लडकियां स्वास्थ्य कार्यकर्ता भर्ती के पद बढाने को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनके पास धरना-प्रदर्शन की अनुमति भी नहीं है। इसके बावजूद भी उन्होंने स्वास्थ्य भवन के बाहर रास्ता जाम कर दिया और समझाइश के बाद भी नहीं माने।

दहेज के लिए पत्नी को ''तीन तलाक''

जयपुर । सोडाला थाना इलाके में दहेज मांग पूरी नहीं करने पर मोबाइल कॉल कर पति द्वारा पत्नी को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच पडताल में सामने आया है कि दहेज की मांग को लेकर सुसराल वाले दुल्हन को विदा कर घर नहीं ले गए थे और दहेज मांग पूरी नहीं करने पर पति ने तीन तलाक दे दिया। इस संबंध में पीड़िता के पिता ने थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि सोडाला निवासी व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि फरवरी 2023 में उसकी बेटी का निकाह दिल्ली निवासी युवक से हुआ था। निकाह से पहले ससुराल वालों से दहेज की डिमांड पूछने पर मना किया था। निकाह के बाद बेटी के ससुराल वालों को सुख-सुविधा का सामान खरीदने के लिए पांच लाख रुपये नगद दिए थे। ससुराल वाले निकाह के बाद बेटी को जल्द विदा कर ले जाने की कहकर चले गए। बार-बार सम्पर्क कर पूछने पर कोई बहाना बनाकर बेटी की विदाई कराकर नहीं ले गए। सालभर समय बीतने पर दिल्ली स्थित बेटी के ससुराल जाकर बात की। ससुरालवालों ने दहेज की डिमांड में कार देने को कहा। कार नहीं दे पाने की कहकर समझाने पर आठ-दस दिन में दुल्हन को पीहर से विदा कर ससुराल लाने की बात कही। दिल्ली से आने के बाद सत्ताईस अप्रैल को दामाद ने बेटी को मोबाइल कॉल कर तीन बार तलाक-तलाक-तलाक कहा। तीन तलाक देकर आरोपित दामाद ने फोन काट दिया। काफी प्रयास के बाद भी ससुरालवालों से बात नहीं हुई। जिसके चलते दुल्हन के पिता ने दहेज डिमांड और तीन तलाक का मामला दर्ज करवाया।

शादी का झांसा देकर देह शोषण

जयपुर । गांधी नगर थाना इलाके में दोस्ती कर होटल में मिलने के बहाने बुला कर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपी ने शादी करने का झांसा दिया। इसके बाद से आरोपी शादी का झांसा देकर पिछले दो साल से देह शोषण करता रहा। पीड़िता ने इस संबंध में महिला थाना गांधी नगर में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र निवासी बत्तीस वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि वर्ष 2023 में मुंबई में उसकी मुलाकात अनिल गर्ग निवासी हिसार हरियाणा से हुई। बातचीत के दौरान आरोपी अनिल ने उससे दोस्ती कर ली थी।

पेपर लीक करने वाले आरोपी अब सरेंडर करने के लिए लगा रहे गुहार

जयपुर। राजस्थान में पेपर लीक करने वाले और डमी कैंडिडेट बैठाने वाले बदमाश एसओजी की लगातार हो रही कार्रवाई से खौफ में हैं। बदमाश अब सरेंडर करने की गुहार लगाने लगे हैं, लेकिन एसओजी सरेंडर नहीं करवाना चाहती। एसओजी अब उसे खुद गिरफ्तार करना चाहती है।

एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामले में फरार चल रहे इनामी बदमाश अलग-अलग चैनल से उनके पास सरेंडर करने की बात कर रहे हैं। बदमाश ने सूचना भिजवाई कि वह शर्त के साथ सरेंडर करना चाहता है। एसओजी ने उसको मना कर दिया है कि हमारी तरफ से कोई शर्त मंजूर नहीं है। जो भी आएगा, उसके साथ कानून के हिसाब से जांच की जाएगी।

वीके सिंह ने बताया कि सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में फरार मास्टरमाइंड सुरेश ढाका सशर्त सरेंडर करना चाहता है। उसको हमने मना कर दिया है। मैं मानता हूं कि पुलिस को अपने प्रोफेशनल वर्क पर भरोसा रखना चाहिए। ये बदमाश कितने दिनों तक भाग सकता है। सिंह ने कहा कि जो शर्त इसने रखी। वह हमारे और उनके बीच की है। यह तय है कि सुरेश ढाका बाहर नहीं है। सुरेश ढाका के पीछे सभी एजेंसियां काम कर रही हैं। किसी के भी हाथ आ सकता है। अगर सुरेश ढाका खुद चलकर कोर्ट में सरेंडर कर देता है तो उसे एसओजी या अन्य एजेंसी मना नहीं कर रही है। ये बदमाश जो शर्त पर सरेंडर करना चाहता है, वह एसओजी और एजेंसियों को मंजूर नहीं है। उन्होंने बताया कि सरेंडर की गुहार लगाने वालों में पेपर लीक करने से लेकर डमी अभ्यर्थी के रूप में बैठने वाले आरोपी शामिल हैं। साथ ही पेपर लीक गैंग से जुड़े लोग भी शामिल हैं। फरार इनामी आरोपियों को जो भी गिरफ्तार करेगा या करवाएगा या गिरफ्तार करवाने के लिए सही सूचना देगा, उसे नकद राशि पुरस्कार में दी जाएगी।

जल उपयोग पर सेमिनार आज

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में जल संरक्षण व हरियाली क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से जलदाय मंत्री कन्हैयालाल द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में शुक्रवार को प्रातः 10 बजे पौधारोपण किया जाएगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में लगभग 500 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए जाएंगे साथ ही विभाग के राजस्थान भर के संस्थानों एवं कार्यालयों में एक लाख पौधे लगाने के अभियान के तहत पौधारोपण की शुरुआत की जाएगी। राज्य में गिरते हुए भूजल स्तर, पेयजल गुणवत्ता, जल सुरक्षा, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं वृक्षारोपण कार्यों की राज्य स्तरीय कार्य-योजना तैयार करने के लिए शुक्रवार को राज्य स्तरीय सेमिनार होगा।

करंट से युवक की मौत

जयपुर । कालवाड़ रोड स्थित सिंधी कॉलोनी में बुधवार को तेज बारिश के दौरान पानी में करंट से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। कांवटिया हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम के दौरान मृतक के परिजनों व लोग मुआवजे की मांग को लेकर इकट्ठा हो गए। बिजली विभाग की लापरवाही बताकर मृतक के परिवार को मुआवजे दिए जाने की मांग रखी। पुलिस ने आश्वासन देकर इकट्ठा हुए लोगों से समझाइस कर शांत करवाया।

पुलिस ने बताया कि बारिश के पानी में करंट से नांवा नागौर निवासी ओम प्रकाश कुमावत (35) की मौत हो गई। वह हाथोज में परिवार के साथ रहकर निर्माणाधीन मकानों में कारीगरी का काम करता था। बुधवार शाम करीब 7 बजे वह बाइक पर अपने साथी रामलाल के साथ घर लौट रहा था। कालवाड रोड पर सिंधी कॉलोनी में रोड पर भरे बारिश के पानी में करंट आ गया। पानी में बाइक उतरकर झटका लगते ही दोनों गिर गए। लोगों ने लड़की से खींचकर रामलाल को बचा लिया, लेकिन करंट लगने से ओमप्रकाश की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया था। मृतक के परिवार को मुआवजा दिलाने को लेकर परिजन, रिश्तेदार और कॉलोनी के लोग इकट्ठा होकर कांवटिया हॉस्पिटल पहुंचे। हॉस्पिटल में इकट्ठा हुए लोगों ने मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपए की मुआवजे की मांग रखी। शांति से प्रदर्शन कर रहे परिजनों का कहना था कि बिजली विभाग की लापरवाही से ओमप्रकाश की मौत हुई है।

अविनाश गहलोत ने राहुल गांधी को ''मंदबुद्धि बालक'' बताया

जयपुर (विसं)। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों द्वारा सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करने के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने जुबानी हमला बोला। मंत्री गहलोत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ''मंदबुद्धि बालक'' कह दिया।

गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी एक तरफ तो कहते हैं, डरो मत और दूसरी तरफ ये कांग्रेसी सदन से डरकर भाग रहे हैं। आप सदन में चर्चा में भाग लीजिए। आपके ''मंदबुद्धि बालक'' राहुल गांधी ने हिंदू समाज को बदनाम किया है। हिंदू समाज को हिंसक कहकर अपमान किया है। उन्हें हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए। उनमें हिम्मत है तो सदन में बहस कीजिए कि हिंदू हिंसक है। राहुल गांधी को जमीनी धरातल की जानकारी नहीं है। अविनाश गहलोत ने यह टिप्पणी उस समय की, जब कांग्रेसी विधायक वॉक आउट कर रहे थे, हालांकि उनकी बात पर कुछ विधायकों ने नाराजगी जताई।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जयपुर । मालपुरा गेट थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। लोगों की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस की माने तो मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने मृतक की शिनाख्तगी के प्रयास में जुटी है। पुलिस ने बताया कि हादसा तीन जुलाई की शाम को थाना इलाके में स्थित रेलवे लाइन पर हुआ था। शिनाख्त नहीं होने की कारण शव मोर्चरी में रखवाकर उसके परिजनों की तलाश जारी है।

कोटा में जूली-डोटासरा पर केस का मुद्दा सदन में गूंजा

जयपुर (विसं)। कोटा में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुए मुकदमे का मुद्दा शून्यकाल में सदन में गूंजा। कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने कहा कि कोटा में जनसस्याओं को लेकर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया, हमारे संविधान के दिए हुए लोकतांत्रिक अधिकारों पर सरकार और प्रशासन ने आघात पहुंचाया। हममें से कोई भी पुलिस से नहीं उलझा, इसके बावजूद हमारे नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सहित कांग्रेस नेताओं के ऊपर मुकदमे किए गए। हमारे पर झूठी एफआईआर की गई। लोकतंत्र में हमें जनसमस्याओं पर प्रदर्शन का अधिकार दिया है कि हम जन समस्याओं के लिए लड़ें, हम धरने प्रदर्शन करें। अगर राजनीतिक दबाव में मुकदमे दर्ज किए जाते हैं तो अधिकारों का खुला उल्लंघन है, हनन है। यह साधारण मामला नहीं है, हरिमोहन शर्मा के बात पूरी होने से पहले ही उनका माइक बंद कर दिया गया।

चेन तोड़ी

जयपुर । मालपुरा गेट इलाके में स्कूटी सवार चार बदमाश पैदल चल रहे एक युवक के गले से सोने की चेन तोड कर फरार हो गए। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी भी कराई,लेकिन चेन स्नेचरों का कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित भगवान सहाय तंवर निवासी सांगानेर ने मामला दर्ज करवाया है कि वह बुधवार सुबह पैदल घर के बारह घूम रहा था। इस दौरान पारदिया अस्पताल स्टेडियम के पास से स्कूटी सवार चार लडके आए और अचानक उसके गले पर झपट्टा मार कर सोने की चेन तोड़कर ले गए।

दादी का फाटक के पास तीन माह पहले तैयार 'ड्रेनेज सिस्टम' एक बारिश भी नहीं झेल पाया

पानी का रिसाव होने से नाले की मिट्टी ढही, इंजीनियर्स ने आनन-फानन में मिट्टी के कट्टे लगाकर रिसाव रोका

जयपुर । दादी का फाटक के पास 3 महीने पहले तैयार किया गया ड्रेनेज का नाला एक बरसात भी नहीं झेल पाया। पानी का रिसाव होने के कारण नाले की मिट्टी ढह गई। इस नाले को जयपुर विकास प्राधिकरण ने बरसात के पानी से बचाव के लिए डाला था। इसके साथ ही कॉलोनियों में बहने वाला पानी भी इसी में आ जाता था। जेडीए ने झोटवाडा से लेकर बैनाड़ रोड तक पानी के बहाव के लिए बड़े-बड़े सीमेंट कल्वर्टर बाक्स डाले थे। आसपास की कॉलोनियों का पानी इस नाले में जाता था। जेडीए ने इस नाले को तीन महीने पहले ही पूरा किया था।

■ **बताया जा रहा है कि जेडीए ने झोटवाडा से लेकर बैनाड़ रोड तक पानी के बहाव के लिए बड़े-बड़े सीमेंट कल्वर्टर बॉक्स डाले थे, आसपास की कॉलोनियों का पानी इस नाले में जाता था। जेडीए ने इस नाले को तीन महीने पहले ही पूरा किया था।**

जेडीए के इंजीनियर्स ने इस नाले के निर्माण के समय इतनी खामियां छोड़ी कि यह एक बरसात भी नहीं झेल पाया। इसे बनाने का ठेका लेने वाली फर्म लालचंद तिवारी को जेडीए के इंजीनियर्स ने इस कदर छूट दे दी कि ड्रेनेज सिस्टम ही ढह जाता। मौके पर मौजूद प्रत्यदर्शियों ने बताया कि पहली बरसात बुधवार 3 जुलाई को हुई तो शाम के समय अच्छा खासा पानी रोड पर आ गया था। ड्रेनेज के नाले में बाक्स खाली मिट्टी में डाले हुए थे। अचानक पानी का रिसाव होने के कारण मिट्टी ढह गई और बड़ा कटाव हो गया। बरसात का पानी पूरे ड्रेनेज सिस्टम को ढहा देता इससे पहले ही जेडीए के इंजीनियर्स सर्तक हो गए। उन्होंने तुरंत रात में ही जेसीबी लगा कर मिटटी डलानी शुरू कर दी थी। बुधवार रात और गुरुवार दिन में दस जेसीबी ने कई टन मिट्टी डाल कर रिसाव रोका, उसके बाद जाकर राहत की सांस ली।

जेडीए ने इस नाले का निर्माण करने वाली फर्म लालचंद तिवारी की कोई जिम्मेदारी तय नहीं की है। अब तक इस फर्म को 35 करोड़ रुपए का भुगतान भी कर दिया गया है लेकिन कटाव में कोई जिम्मेदारी तय नहीं की है। इस फर्म की इतनी बड़ी लापरवाही के कारण इसे नोटिस तक नहीं दिया गया है। इंजीनियर्स पूरी तरह इस फर्म के बचाव में उतर गए हैं पर जेडीसी मंजू राजपाल ने ठेकेदार के बचाव में उतरने पर इंजीनियर्स की खिंचाई भी की।

जानकारों की मानें तो ड्रेनेज सिस्टम के लिए कल्वर्टर बाक्स डाले जाते हैं। इससे पहले रोडी मिक्स कंक्रीट डाली जाती है जिससे पानी का रिसाव होने पर मिट्टी ढह नहीं जाए। कई बार घुमाव के समय भी नाले का जोड़ मजबूती से फिक्स नहीं किया जाता। इससे भी बरसात का पानी रिसाव होकर मिटटी बैठा देता है। झोटवाडा से लेकर बैनाड़ रोड तक डाले गए नाले में यह कमियां उजागर होती है।

सूत्रों की मानें तो जेडीए में किसी भी तरह का निर्माण पूरा होने के बाद थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और जांच कराने के बाद ही भुगतान तय करता है। इसमें कहीं कोई कमी पाई जाने पर ठेकेदार का पैसा काटा जाता है इस मामले में इस तरह का कोई काम नहीं किया गया। गुणवत्ता का प्रमाण पत्र तो लिया गया लेकिन वह सिर्फ कागजी कार्रवाई को पूरा करने के लिए किया गया है। इससे जेडीए के गुणवत्ता प्रकोष्ठ पर भी सवाल उठने लगे हैं। जे.डी.ए. जोन-6 के कनिष्ठ अभियंता मनोज खंडेलवाल का कहना है कि ड्रेनेज के लिए डाले गए नाले के पास कुछ जगहों पर कच्ची मिट्टी से कटाव हो गया। कटाव थोड़ा बड़ा था जिसे मिट्टी के कट्टे डाल कर भर दिया है। सभी जगह मरम्मत कर दी गई है। ड्रेनेज सिस्टम ढहने जैसी कोई बात नहीं है। अब सब ठीक कर दिया है।